

30/7/24

पतावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रकीर्ण प्रकीर्ण अनुपादित।  
रुत-रुत कर नीव-बाद आगये दिवसि वरि सभ्य  
सोम 5 PM हो चुका है। अतः प्रकीर्ण प्रकीर्ण अधिवक्ता  
प्रकीर्ण के अनुपादित रहे पर प्रकीर्ण प्रकीर्ण-प्रकीर्ण  
अपन हाथी। अपन परबी से-रवारिप किता पाता है  
पतावली मेंसल सुभार होकर नमबर से मरहा।

विधि सुनाया गया।

